

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश

राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ में “पंचगव्य एवं आयुर्वेद की मानव स्वास्थ्य में भूमिका एवं उपयोगिता” विषय पर आज एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

गांव के किसान की समृद्धि गाय से ही है—डॉ० दयाशंकर मिश्र “दयालु”

लखनऊ : 30 अक्टूबर, 2026

आयुष विभाग द्वारा लखनऊ के राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार को “पंचगव्य एवं आयुर्वेद की मानव स्वास्थ्य में भूमिका एवं उपयोगिता” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन आयुष मंत्री डॉ० दया शंकर मिश्र दयालु जी के करकमलों द्वारा हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री जी एवं सभी अतिथियों द्वारा भगवान धन्वन्तरि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयुष मंत्री जी ने मुख्य वक्ता श्री श्याम बिहारी गुप्त जी अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश, एवं श्री सुनील मानसिंह का सदस्य राष्ट्रीय जंतु कल्याण बोर्ड एवं राष्ट्रीय पंचगव्य अनुसंधान परिषद के सदस्य को पुष्पगुच्छ अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्रमुख सचिव आयुष श्री रंजन कुमार जी ने आयुष मंत्री जी का स्वागत किया। श्री जी.एस. प्रियदर्शी जी ने प्रमुख सचिव आयुष का स्वागत किया। प्राचार्य महोदया प्रो० सुधा सिंह जी द्वारा आयुष महानिदेशक श्री जी.एस. प्रियदर्शी एवं विशेष सचिव आयुष श्री मदन सिंह गर्वाल का स्वागत किया गया। निदेशक आयुर्वेद सेवाएं, निदेशक होम्योपैथी, निदेशक यूनानी का स्वागत प्राचार्य महोदया द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ‘चरक संहिता में पंचगव्य’, ‘द्रव्यगुण विज्ञान,’ एवं ‘सचित्र आयुर्वेदिय पदार्थ विज्ञान’ नामक तीन पुस्तकों का विमोचन मंत्री जी एवं सभी अतिथियों द्वारा किया गया। संगोष्ठी में श्री श्याम बिहारी गुप्त जी अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश ने बताया कि गाय के दूध से 3 गुना ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट गाय के मूत्र में, गोबर के रस में होता है। प्रतिदिन गोमूत्र का सेवन करने से अनेको बीमारियां दूर होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों की थाली में जहर मुक्त भोजन देने के लिए गाय का सहारा लेना होगा। विकसित भारत का संकल्प पूरा करने हेतु पंचगव्य, आयुर्वेद, और गौ वंश का आधार लेना होगा।

आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ० दया शंकर मिश्र दयालु जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गोरखपुर गोरक्ष पीठ है, गौ रक्षा हमारा परम लक्ष्य है। गांव के किसान की समृद्धि गाय से ही है। कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरक के प्रयोग से केंचुए, पक्षी सब विलुप्ति के कगार पर हैं। गोबर की खाद, जैविक खाद, जैविक खेती ही आज के समय की मांग है। उन्होंने बताया कि पंचगव्य तथा आयुर्वेद की मानव स्वास्थ्य में बहुत उपयोगिता है। उन्होंने कहा कि हमे अपने अतीत से जुड़ने का अवसर पंचगव्य और आयुर्वेद प्रदान करता है।

राष्ट्रीय जंतु कल्याण बोर्ड एवं राष्ट्रीय पंचगव्य अनुसंधान परिषद के सदस्य श्री सुनील मानसिंहका जी ने बताया कि गर्भ काल के अंतिम दिनों में देसी गाय का गोमूत्र एवं गोमय रस 10 से 20 ml प्रतिदिन पिलाने से सामान्य प्रसव की संभावना बढ़ जाती है। घाव धोने के लिए गोमूत्र का प्रयोग करने से घाव शीघ्र भर जाते हैं। गोमय मसि से बना हुआ मंजन करने से दांतों की झनझनाहट दूर होती है। पंचगव्य साबुन से स्नान करने से त्वचा रोगों से

छुटकारा मिलता है। पंचगव्य पांच चीजों से मिलकर बनता है जिसमें देसी गाय का दूध, दही, घी, गोमूत्र, गोमय रस होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की 4 मूलभूत गाय की प्रजातियों को संरक्षण करना हमारी प्राथमिकता है।

डॉ० मनीष कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, महाराणा प्रताप आयुर्वेद कॉलेज कानपुर ने बताया कि सभी समृद्धियों की अधिष्ठात्री गौ माता है। उन्होंने बताया कि देसी गाय के गौ मूत्र के अर्क से पुराने से पुराने घाव को धोने से, पट्टी करने से जल्दी ठीक हो जाता है। केमिकल वाला मलहम लगाने की अपेक्षा गौ मूत्र की पट्टी से आधे समय में ही घाव ठीक हो जाता है। गौ मूत्र एंटी माइक्रोबियल एजेंट की तरह कार्य करता है।

आयुष महानिदेशक श्री जी.एस. प्रियदर्शी जी ने कहा कि हमारा ध्यान चिकित्सालयों में दवाओं को उपलब्ध कराने पर है। आयुर्वेद अस्पतालों में पंचगव्य द्वारा चिकित्सा हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रमुख सचिव आयुष श्री रंजन कुमार जी ने कहा कि आईआईटी कानपुर में एक सेंटर ऑफ एक्सिलेंस आयुष विभाग के सहयोग से शीघ्र खोला जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य महोदय प्रो० सुधा सिंह जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० शची श्रीवास्तव जी ने किया। कार्यक्रम में निदेशक आयुर्वेद डॉ० नारायण दास, निदेशक होम्योपैथी डॉ० प्रमोद कुमार, निदेशक यूनानी डॉ० जमाल अख्तर की उपस्थिति रही। इस अवसर पर पंचगव्य उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सम्पर्क सूत्र— अजय द्विवेदी

राम यतन/06:40 PM

फोन नम्बर Direct : 0522-2239023 ई०पी०बी०एक्स० : 0522-2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225

फैक्स नं० : 0522-2237230 0522-2239586 ई-मेल : upssochna@gmail.com,

वेबसाइट : www.information.up.gov.in